शहरी मलिन बस्तियों की मैपिंग और लिस्टिंग, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को ज़रूरतमंद आबादी तक सुनिश्चित करती है

इस हाई इम्पैक्ट एप्रोच का उपयोग क्यों करें?

परिवार नियोजन व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के संसाधनों एवं योजनओं के बेहतर परिणाम के लिए यह आवश्यक है की सर्वाधिक ज़रूरतमंद आबादी की सही पहचान हो। शहर में मलिन बस्तियों और गरीबी समूहों की छिपी हुई आबादी और क्षेत्रों की पहचान करने में मैपिंग और लिस्टिंग मदद करता है।

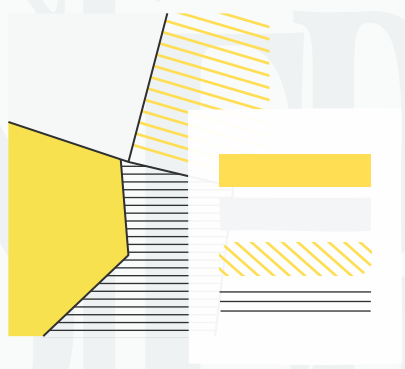

पहला चरण

आंकड़ों के स्थानीय स्रोत की पहचान करें

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के भौगोलिक सूचना तंत्र (जी.आई.एस.) मानचित्र, नगर निगम तथा जिला शहरी विकास प्राधिकरण, समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस) तथा राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना (एन.पी.एस.पी) आदि से आंकड़ों को संकलित करें।

दूसरा चरण

आंकड़ों की समीक्षा करें

इन आंकड़ों के माध्यम से उन स्थानों की पहचान करें जहाँ सर्वाधिक ज़रूरतमंद आबादी रहती है जिसमे सूचीबद्ध और गैर सूचीबद्ध मलिन बस्तियां, अस्थायी रिहाइशें तथा अन्य गरीब समूह शामिल हों।

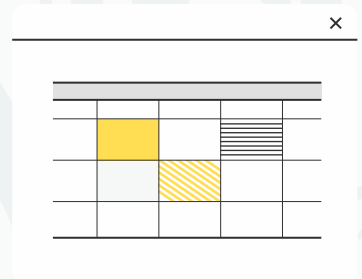

तीसरा चरण

मानचित्र तथा सूची बनायें

अलग अलग विभागों/कार्यक्रमों से प्राप्त सूचियों की तुलना करें और सभी का समावेशन करके मलिन बस्तियों, अस्थायी रिहाइशें तथा अन्य गरीबी वाले समूहों की सूची और मानचित्र बनायें।

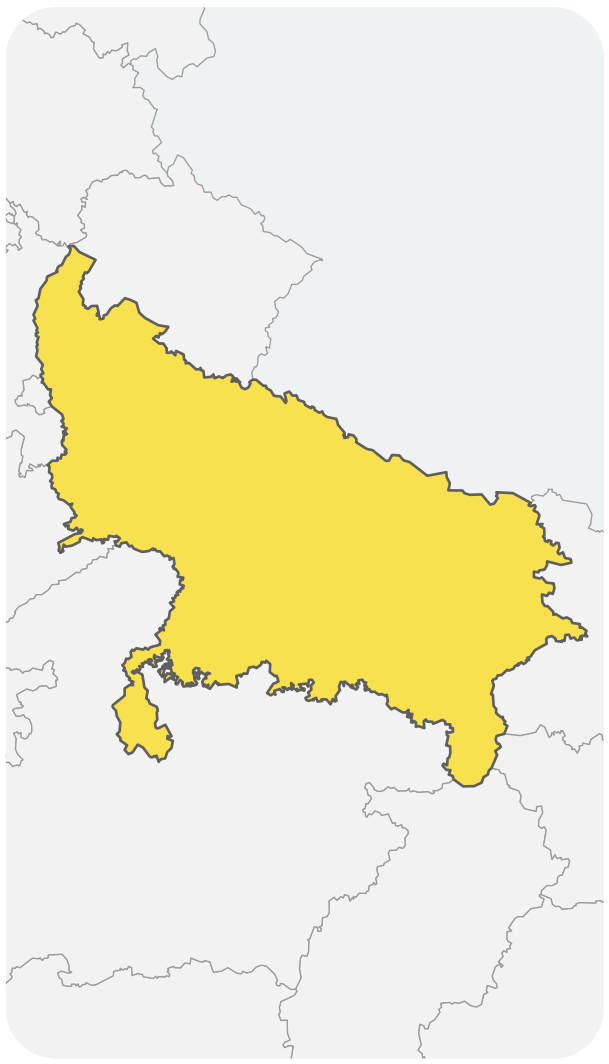

चौथा चरण

पुष्टि करके सूची और मानचित्र को अंतिम रूप दें

पहली बार सूची में आयी मलिन बस्तियों और गरीबी वाले समूहों की भौतिक पुष्टि करें। स्थानीय निवासियों के साथ समीक्षा करें, जिला स्तरीय अधिकारीयों के साथ अंतिम सूची साझा करें। आशा को उनकी सूची अपडेट करने और सामुदायिक संसाधनों का मानचित्र बनाने में मदद करें।

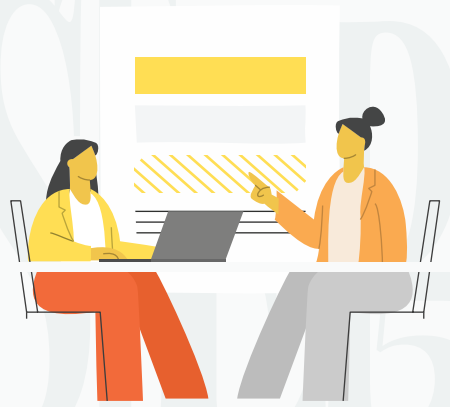

पांचवां चरण

मैपिंग और लिस्टिंग डेटा का उपयोग करें

आवश्यक संसाधनों की समीक्षा करने के लिए विभिन्न बैठक मंचों में जिला स्वास्थ्य अधिकारियों और अन्य विभागों को डेटा प्रस्तुत करें। शहरी गरीब आबादी की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए संसाधनों को आवंटित या स्थानांतरित करें एवं आवश्यक अतिरिक्त वित्तीय प्रावधानों का निवेदन कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (पी.आई.पी) के अंतर्गत करें।

अधिक जानकारी के लिए
http://tciurbanhealth.org/lessons/mapping-urban-slums/